पशुओं को गला घोटू ,खुरपका, मुंहपका, ब्रुसोलोसीस और एंथ्रेक्स बीमारियों से बचाता है टीकाकरण

एससीएसपी योजना के तहत पशुपालकों को दिया गया पशुओं में टीकाकरण पर प्रशिक्षण

(आज समाचार सेवा)

कानपुर, 17 अक्टूबर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के अंतर्गत संचालित कृषि विज्ञान केंद्र दिलीप नगर के द्वारा अनुसूचित जाति उप योजना के अंतर्गत ग्राम पांडेय निवादा में डेरी पशुओं में टीकाकरण का महत्व के विषय पर दो दिवसीय कृषक प्रशिक्षण का समापन हुआ। जिसमें केंद्र के वैज्ञानिक डॉक्टर शशिकांत ने किसानों को बताया कि लाभदायक डेयरी फार्मिंग के लिए पशु को स्वस्थ बनाए रखने हेतु टीकाकरण सबसे महत्वपूर्ण कारकों में से एक है। उन्होंने बताया कि डेरी पशुपालन को बैक्टीरिया, वायरस, कवक और परजीवी के कारण होने वाली बीमारियों के लिए अति संवेदनशील होते हैं। इसलिए जानवरों की देखभाल करना और यह सुनिश्चित करना महत्वपूर्ण है कि वह बीमारियों के खतरों से सुरक्षित है या नहीं। टीकाकरण पशु स्वास्थ्य और पशु कल्याण दोनों को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। डॉक्टर कांत ने किसानों को बताया कि टीकाकरण पशु रोग को रोकने खाद्य उत्पादन की दक्षता बढ़ाने और लोगों को जेनेटिक और खाद्य जनित संक्रमणों के संरक्षण को रोकने के लिए एक प्रभावी तरीका है। इस मौके पर मृदा केंद्र के वैज्ञानिक डॉक्टर खलील खान ने बताया कि किसान भाई अपने पशुओं का टीकाकरण गला घोटू ,खुरपका, मुंह पका, ब्रुसोलोसीस, एंथ्रेक्स इत्यादि के आने से पूर्व में ही टीकाकरण कर ले। तो पशुओं की यह बीमारियां नहीं लग पाएगी। जिससे किसानों की पशुधन की हानि नहीं होगी तथा उनकी आय में वृद्धि होगी। इस प्रशिक्षण में गौरव शुक्ला, रामाश्रय के साथ किसान एवम दर्जनों महिलाएं उपस्थिति रही।

प्रशिक्षण कार्यक्रम में मौजूद वैज्ञानिक व अन्य।

डेयरी फार्मिंग के लिए पशुओं को स्वस्थ बनाए रखना आवश्यक : डॉ.शशिकांत

जन एक्सप्रेस । कानपुर नगर

चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के अंतर्गत संचालित कृषि विज्ञान केंद्र दिलीप नगर के द्वारा अनुसूचित जाति उप योजना के अंतर्गत ग्राम पांडेय निवादा में मंगलवार को डेरी पशुओं में टीकाकरण का महत्व विषय पर दो दिवसीय कृषक प्रशिक्षण का समापन हुआ। केंद्र के वैज्ञानिक डॉ.शशिकांत ने बताया कि लाभदायक डेयरी फार्मिंग के लिए पशुओं को स्वस्थ बनाए रखना आवश्यक है जिसके लिए टीकाकरण एक महत्वपूर्ण कारक है। उन्होंने बताया कि डेरी पशुपालन बैक्टीरिया, वायरस, कवक और परजीवी के कारण होने वाली बीमारियों के लिए अति संवेदनशील होते हैं। इसलिए जानवरों की देखभाल करना जरूरी है। उन्होंने किसानों को बताया कि टीकाकरण पशु रोग को रोकने, खाद्य उत्पादन की दक्षता बढ़ाने और लोगों को जेनेटिक और खाद्य जनित संक्रमणों के संरक्षण से रोकने के लिए एक प्रभावी तरीका है। केंद्र के मृदा वैज्ञानिक डॉ.खलील खान ने बताया कि किसान अपने पशुओं का टीकाकरण गला घोटू ,खुरपका, मुंह पका, ब्रुसोलोसीस, एंथ्रेक्स इत्यादि के आने से पूर्व में ही कर ले ताकि पशुओं की यह बीमारियां न लग पाए। जिससे किसानों की पशुधन की हानि नहीं होगी तथा उनकी आय में वृद्धि होगी। प्रशिक्षण में गौरव शुक्ला, रामाश्रय के साथ किसान एवं दर्जनों महिलाएं मौजूद रही।

SKS NEWS

हिन्दी दैनिक

समाज का साथी

कानपुर नगर से प्रकाशित

अंकः 45 कानपुर, बुधवार 18 अक्तूबर-2023 पृष्ठ -8 मूल्य

डेरी पशुओं में टीकाकरण का महत्व के विषय पर दो दिवसीय कृषक प्रशिक्षण का समापन

समाज का साथी

कानपुर । सीएसए के अंतर्गत संचालित कृषि विज्ञान केंद्र दिलीप नगर के द्वारा अनुसूचित जाति उप योजना के अंतर्गत ग्राम पांडेय निवादा में डेरी पशुओं में टीकाकरण का महत्व के विषय पर दो दिवसीय कृषक प्रशिक्षण का समापन हुआ। जिसमें केंद्र के वैज्ञानिक डॉक्टर शशिकांत ने किसानों को बताया कि लाभदायक डेयरी फार्मिंग के लिए पशु को स्वस्थ बनाए रखने हेतु टीकाकरण सबसे

महत्वपूर्ण कारकों में से एक है। उन्होंने बताया कि डेरी पशुपालन को बैक्टीरिया, वायरस, कवक और परजीवी के कारण होने वाली बीमारियों के लिए अति संवेदनशील होते हैं। इसलिए जानवरों की देखभाल करना और यह सुनिश्चित करना महत्वपूर्ण है कि वह बीमारियों के खतरों से सुरक्षित है या नहीं। टीकाकरण पशु स्वास्थ्य और पशु कल्याण दोनों को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। डॉक्टर कांत ने किसानों को बताया कि टीकाकरण पशु रोग को रोकने खाद्य उत्पादन की दक्षता बढ़ाने और लोगों को जेनेटिक और खाद्य जनित संक्रमणों के संरक्षण को रोकने के लिए एक प्रभावी तरीका है। इस मौके पर मृदा केंद्र के वैज्ञानिक डॉक्टर खलील खान ने बताया कि किसान भाई अपने पशुओं का टीकाकरण गला घोटू ,खुरपका, मुंह पका, ब्रुसोलोसीस, एंथ्रेक्स इत्यादि के आने से पूर्व में ही टीकाकरण कर ले तो पशुओं की यह बीमारियां नहीं लग पाएगी। जिससे किसानों की पशुधन की हानि नहीं होगी तथा उनकी आय में वृद्धि होगी। इस प्रशिक्षण में गौरव शुक्ला, रामाश्रय के साथ किसान एवम दर्जनों महिलाएं उपस्थिति रही।

सर्विलांस टीम ने सौपे नौ लाख कीमत के 30 मोबाइल फोन

कानपुर । पुलिस आयुक्त व पुलिस उपायुक्त (पूर्वी) कमिश्नरेट व अपर पुलिस उपायुक्त (पूर्वी) कमिश्नरेट के कुशल प्रवेक्षण एवं निर्देशन में सर्विलान्स सेल पूर्वी जोन की टीम द्वारा जनपद में खोये व गुम हुये मोबाइल फोन के सम्बन्धित प्राप्त प्रार्थना पत्रों के आधार पर त्वरित कार्यवाही करते हुये लगभग 4 माह के अन्दर (जुलाई से अक्टूबर तक) अथक प्रयासों से विभिन्न जनपदों से, अन्तर जनपद से व अन्तरराज्यों मुम्बई, राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली आदि दुरस्थ स्थानों से 30 मोबाइल फोन सर्विलान्स टीम पूर्वी जोन द्वारा बरामद किया गये। बरामद मोबाइल फोन की अनुमानित कीमत करीब नौ लाख रुपये है। उपरोक्त बरामद मोबाइल फोन के मोबाइल धारको को पुलिस उपायुक्त (पूर्वी), अपर पुलिस उपायुक्त (पूर्वी) द्वारा प्रदान किय गये।

R.N.I.No-UPHIN/2012/42725

हिन्दुस्तान का इतिहास

कानपुर से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

● अंक 169 ● कानपुर, बुधवार 18 अक्टूबर 2023 = पृष्ठः 8 = मू

स्टाफ मौजूद रहा।

न ही इसका ध्यान रखते हुए बाद में हेल्प डेस्क पहुंच जहां दन का कहा।

डेरी पशुओं में टीकाकरण का महत्व के विषय पर दो दिवसीय कृषक प्रशिक्षण का समापन

हिन्दुस्तान का इतिहास

कानपुर-सीएसए के अंतर्गत संचालित कृषि विज्ञान केंद्र दिलीप नगर के द्वारा अनुसूचित जाति उप योजना के अंतर्गत ग्राम पांडेय निवादा में डेरी पशुओं में टीकाकरण का महत्व के विषय पर दो दिवसीय कृषक प्रशिक्षण का समापन हुआ जिसमें केंद्र के वैज्ञानिक डॉक्टर शशिकांत ने किसानों को बताया कि लाभदायक डेयरी फार्मिंग के लिए पशु को स्वस्थ बनाए रखने हेतु टीकाकरण सबसे महत्वपूर्ण कारकों में से एक है उन्होंने बताया कि डेरी पशुपालन को बैक्टीरिया, वायरस, कवक और परजीवी के कारण होने वाली बीमारियों के लिए अति संवेदनशील होते हैं इसलिए जानवरों की देखभाल करना और यह सुनिश्चित करना महत्वपूर्ण है कि वह बीमारियों के खतरों से सुरक्षित है या नहीं टीकाकरण पशु स्वास्थ्य और पशु कल्याण दोनों को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है डॉक्टर कांत ने किसानों को बताया कि टीकाकरण पशु रोग को रोकने खाद्य उत्पादन की दक्षता बढ़ाने और लोगों को जेनेटिक और खाद्य जनित संक्रमणों के संरक्षण को रोकने के लिए एक प्रभावी तरीका है इस मौके पर मृदा केंद्र के वैज्ञानिक डॉक्टर खलील खान ने बताया कि किसान भाई अपने पशुओं का टीकाकरण गला घोटू ,खुरपका, मुंह पका, ब्रूसोलोसीस, एंथ्रेक्स इत्यादि के आने से पूर्व में ही टीकाकरण कर ले तो पशुओं की यह बीमारियां नहीं लग पाएगी जिससे किसानों की पशुधन की हानि नहीं होगी तथा उनकी आय में वृद्धि होगी इस प्रशिक्षण में गौरव शुक्ला, रामाश्रय के साथ किसान एवं दर्जनों महिलाएं उपस्थिति रही।

सूने घर को अज्ञात चोरों ने बनाया निशाना,नगदी समेत जेवरात चोरी

हिन्दुस्तान का इतिहास

कानपुर- भीतरगांव साढ़ थाना क्षेत्र के कीसाखेड़ा गांव में अज्ञात चोरों ने एक घर को उस समय निशाना बनाया जब गृहस्वामी दंडवत लेकर कुड़नी गया था ? पीड़ति ने साढ़ थाना पुलिस से मामले की लिखित शिकायत की है कुडनी क्षेत्र के कीसाखेड़ा निवासी संजय कुमार पुत्र स्व अनिल कुशवाहा ने तहरीर देते हुए बताया कि बीती रात दस बजे वह कुड़नी हनुमान मंदिर दंडवत लेकर गया था घर में मां और बहन थी तभी रात में अज्ञात चोरों ने कमरे का ताला तोड़कर 55 हजार रुपए तथा एक जोड़ी पायल और चांदी के सिक्के चुरा ले गए साढ़ थाना प्रभारी निरीक्षक सतीश राठौर ने बताया कि जानकारी मिली है जांच कर कार्यवाही की जा रही है

वर्ष-17 अंक-288 पृष्ठ-8 मूल्य-1 रुपए कानपुर, बुधवार 18 अक्टूबर 2023

कानपुर से प्रकाशित, लखनऊ, इलाहाबाद, बुंदेलखंड, फतेहपुर, इटावा, कन्नौज, मैनपुरी, ऐटा, हरदोई, उन्नाव, कानपुर देहात, औरैया में प्रसारित

RNI No.- UPHIN/2007/27090

दैनिक नगर छाया

आप की आवाज़.....

एससीएसपी योजना के अंतर्गत पशुपालकों को पशुओं में टीकाकरण पर दिया गया प्रशिक्षण

कानपुर (नगर छाया समाचार)। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के अंतर्गत संचालित कृषि विज्ञान केंद्र दिलीप नगर के द्वारा अनुसूचित जाति उप योजना के अंतर्गत ग्राम पांडेय निवादा में डेरी पशुओं में टीकाकरण का महत्व के विषय पर दो दिवसीय कृषक प्रशिक्षण का समापन हुआ। जिसमें केंद्र के वैज्ञानिक डॉक्टर शशिकांत ने किसानों को बताया कि लाभदायक डेयरी फार्मिंग के लिए पशु को स्वस्थ बनाए रखने हेतु टीकाकरण सबसे महत्वपूर्ण कारकों में से एक है। उन्होंने बताया कि डेरी पशुपालन को बैक्टीरिया, वायरस, कवक और परजीवी के कारण होने वाली बीमारियों के लिए अति संवेदनशील होते हैं। इसलिए जानवरों की देखभाल करना और यह सुनिश्चित करना महत्वपूर्ण है कि वह बीमारियों के खतरों से सुरक्षित है या नहीं। टीकाकरण पशु स्वास्थ्य और पशु कल्याण दोनों को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। डॉक्टर कांत ने किसानों को बताया कि टीकाकरण पशु रोग को रोकने खाद्य उत्पादन की दक्षता बढ़ाने और लोगों को जेनेटिक और खाद्य जनित संक्रमणों के संरक्षण को रोकने के लिए एक प्रभावी तरीका है। इस मौके पर मृदा केंद्र के वैज्ञानिक डॉक्टर खलील खान ने बताया कि किसान भाई अपने पशुओं का टीकाकरण गला घोटू ,खुरपका, मुंह पका, ब्रुसेलोसीस, एंथ्रेक्स इत्यादि के आने से पूर्व में ही टीकाकरण कर लेतो पशुओं की यह बीमारियां नहीं लग पाएगी। जिससे किसानों की पशुधन की हानि नहीं होगी तथा उनकी आय में वृद्धि होगी। इस प्रशिक्षण में गौरव शुक्ला, रामाश्रय के साथ किसान एवम दर्जनों महिलाएं उपस्थिति रही ।

WORLD खबर EXPRESS

WORLD

खबर एक्सप्रेस

मंगलवार

17 अक्टूबर, 2023

अंक - 71

एससीएसपी योजना के अंतर्गत पशुपालकों को पशुओं में टीकाकरण पर दिया प्रशिक्षण

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के अंतर्गत संचालित कृषि विज्ञान केंद्र दिलीप नगर के द्वारा अनुसूचित जाति उप योजना के अंतर्गत ग्राम पांडेय निवादा में डेरी पशुओं में टीकाकरण का महत्व के विषय पर दो दिवसीय कृषक प्रशिक्षण का समापन हुआ। जिसमें केंद्र के वैज्ञानिक डॉक्टर शशिकांत ने किसानों को बताया कि लाभदायक डेयरी फार्मिंग के लिए पशु को स्वस्थ बनाए रखने हेतु टीकाकरण सबसे महत्वपूर्ण कारकों में से एक है। उन्होंने बताया कि डेरी पशुपालन को बैक्टीरिया, वायरस, कवक और परजीवी के कारण होने वाली बीमारियों के लिए अति संवेदनशील होते हैं। इसलिए जानवरों की देखभाल करना और यह सुनिश्चित करना महत्वपूर्ण है कि वह बीमारियों के खतरों से सुरक्षित है या नहीं। टीकाकरण पशु स्वास्थ्य और पशु कल्याण दोनों को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। डॉक्टर कांत ने किसानों को बताया कि टीकाकरण पशु रोग को रोकने खाद्य उत्पादन की दक्षता बढ़ाने और लोगों को जेनेटिक और खाद्य जनित संक्रमणों के संरक्षण को रोकने के लिए एक प्रभावी तरीका है। इस मौके पर मृदा केंद्र के वैज्ञानिक डॉक्टर खलील खान ने बताया कि किसान भाई अपने पशुओं का टीकाकरण गला घोटू ,खुरपका, मुंह पका, ब्रुसोलोसीस, एंथ्रेक्स इत्यादि के आने से पूर्व में ही टीकाकरण कर ले तो पशुओं की यह बीमारियां नहीं लग पाएगी। जिससे किसानों की पशुधन की हानि नहीं होगी तथा उनकी आय में वृद्धि होगी। इस प्रशिक्षण में गौरव शुक्ला, रामाश्रय के साथ किसान एवम दर्जनों महिलाएं उपस्थिति रही ।

डेरी पशुओं में टीकाकरण का महत्व के विषय पर दो दिवसीय कृषक प्रशिक्षण का समापन

कानपुर । सीएसए के अंतर्गत संचालित कृषि विज्ञान केंद्र दिलीप नगर के द्वारा अनुसूचित जाति उप योजना के अंतर्गत ग्राम पांडेय निवादा में डेरी पशुओं में टीकाकरण का महत्व के विषय पर दो दिवसीय कृषक प्रशिक्षण का समापन हुआ। जिसमें केंद्र के वैज्ञानिक डॉक्टर शशिकांत ने किसानों को बताया कि लाभदायक डेयरी फार्मिंग के लिए पशु को स्वस्थ बनाए रखने हेतु टीकाकरण सबसे महत्वपूर्ण कारकों में से एक है। उन्होंने बताया कि डेरी पशुपालन को बैक्टीरिया, वायरस, कवक और परजीवी के कारण होने वाली बीमारियों के लिए अति संवेदनशील होते हैं। इसलिए जानवरों की देखभाल करना और यह सुनिश्चित करना महत्वपूर्ण है कि वह बीमारियों के खतरों से सुरक्षित है या नहीं। टीकाकरण पशु स्वास्थ्य और पशु कल्याण दोनों को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। डॉक्टर कांत ने किसानों को बताया कि टीकाकरण पशु रोग को रोकने खाद्य उत्पादन की दक्षता बढ़ाने और लोगों

को जेनेटिक और खाद्य जनित संक्रमणों के संरक्षण को रोकने के लिए एक प्रभावी तरीका है। इस मौके पर मृदा केंद्र के वैज्ञानिक डॉक्टर खलील खान ने बताया कि किसान भाई अपने पशुओं का टीकाकरण गला घोटू ,खुरपका, मुंह पका, ब्रूसोलोसीस, एंथ्रेक्स इत्यादि के आने से पूर्व में ही टीकाकरण कर ले तो पशुओं की यह बीमारियां नहीं लग पाएगी। जिससे किसानों की पशुधन की हानि नहीं होगी तथा उनकी आय में वृद्धि होगी। इस प्रशिक्षण में गौरव शुक्ला, रामाश्रय के साथ किसान एवम दर्जनों महिलाएं उपस्थिति रही ।

Sign in to edit and save changes to this file.

अंक-221 कानपुर, बुधवार 18 अक्टूबर 2023 पृष्ठ-8

दैनिक

आज का कानपुर

से प्रकाशित लखनऊ, उन्नाव, सीतापुर, लखीमपुर खीरी, हमीरपुर, मौदहा, बांदा, फतेहपुर, प्रयागराज, इटावा, कन्नौज, गाजीपुर, कानपुर देहात, सुल्तानपुर, अमेठी, बहराइच में प्रसारित

डेरी पशुओं में टीकाकरण का महत्व के विषय पर दो दिवसीय कृषक प्रशिक्षण का समापन

आज का कानपुर

कानपुर । सीएसए के अंतर्गत संचालित कृषि विज्ञान केंद्र दिलीप नगर के द्वारा अनुसूचित जाति उप योजना के अंतर्गत ग्राम पांडेय निवादा में डेरी पशुओं में टीकाकरण का महत्व के विषय पर दो दिवसीय कृषक प्रशिक्षण का समापन हुआ जिसमें केंद्र के वैज्ञानिक डॉक्टर शशिकांत ने किसानों को बताया कि लाभदायक डेयरी फार्मिंग के लिए पशु को स्वस्थ बनाए रखने हेतु टीकाकरण सबसे महत्वपूर्ण कारकों में से एक है उन्होंने बताया कि डेरी पशुपालन को बैक्टीरिया, वायरस, कवक और परजीवी के कारण होने वाली बीमारियों के लिए अति संवेदनशील होते हैं इसलिए जानवरों की देखभाल करना और यह सुनिश्चित करना महत्वपूर्ण है कि वह बीमारियों के खतरों से सुरक्षित है या नहीं टीकाकरण पशु स्वास्थ्य और पशु कल्याण दोनों को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है डॉक्टर कांत ने किसानों को बताया कि टीकाकरण पशु रोग को रोकने खाद्य उत्पादन की दक्षता बढ़ाने और लोगों को जेनेटिक और खाद्य जनित संक्रमणों के संरक्षण को रोकने के लिए एक प्रभावी तरीका है इस मौके पर मृदा केंद्र के वैज्ञानिक डॉक्टर खलील खान ने बताया कि किसान भाई अपने पशुओं का टीकाकरण गला घोटू ,खुरपका, मुंह पका, ब्रुसोलोसीस, एंथ्रेक्स इत्यादि के आने से पूर्व में ही टीकाकरण कर ले तो पशुओं की यह बीमारियां नहीं लग पाएगी जिससे किसानों की पशुधन की हानि नहीं होगी तथा उनकी आय में वृद्धि होगी इस प्रशिक्षण में गौरव शुक्ला, रामाश्रय के साथ किसान एवं दर्जनों महिलाएं उपस्थिति रही।

कानपुर व लखनऊ से एक साथ प्रकाशित वर्ष : 15 अंक : 109 कानपुर, बुधवार 18 अक्टूबर 2023 नगर संस्करण पृष्ठ 12 मूल्य : 2.00 रुपए

राष्ट्रीय स्वरूप

डेरी पशुओं में टीकाकरण का महत्व के विषय पर दो दिवसीय कृषक प्रशिक्षण का समापन

कानपुर । सीएसए के अंतर्गत संचालित कृषि विज्ञान केंद्र दिलीप नगर के द्वारा अनुसूचित जाति उप योजना के अंतर्गत ग्राम पांडेय निवादा में डेरी पशुओं में टीकाकरण का महत्व के विषय पर दो दिवसीय कृषक प्रशिक्षण का समापन हुआ। जिसमें केंद्र के वैज्ञानिक डॉक्टर शशिकांत ने किसानों को बताया कि लाभदायक डेयरी फार्मिंग के लिए पशु को स्वस्थ बनाए रखने हेतु टीकाकरण सबसे महत्वपूर्ण कारकों में से एक है। उन्होंने बताया कि डेरी पशुपालन को बैक्टीरिया, वायरस, कवक और परजीवी के कारण होने वाली बीमारियों के लिए अति संवेदनशील होते हैं। इसलिए जानवरों की देखभाल करना और यह सुनिश्चित करना महत्वपूर्ण है कि वह बीमारियों के खतरों से सुरक्षित है या नहीं। टीकाकरण पशु स्वास्थ्य और पशु कल्याण दोनों को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। डॉक्टर कांत ने किसानों को बताया कि टीकाकरण पशु रोग को रोकने खाद्य उत्पादन की दक्षता बढ़ाने और लोगों को जेनेटिक और खाद्य जनित संक्रमणों के संरक्षण को रोकने के लिए एक प्रभावी तरीका है। इस मौके पर मृदा केंद्र के वैज्ञानिक डॉक्टर खलील खान ने बताया कि किसान भाई अपने पशुओं का टीकाकरण गला घोटू ,खुरपका, मुंह पका, ब्रुसोलोसीस, एंथ्रेक्स इत्यादि के आने से पूर्व में ही टीकाकरण कर ले ।तो पशुओं की यह बीमारियां नहीं लग पाएगी। जिससे किसानों की पशुधन की हानि नहीं होगी तथा उनकी आय में वृद्धि होगी। इस प्रशिक्षण में गौरव शुक्ला, रामाश्रय के साथ किसान एवम दर्जनों महिलाएं उपस्थिति रही ।